

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 4 मार्च, 2022

राष्ट्रीय सुरक्षा दविस

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना को चहिनति करने के लयि प्रतविरष 4 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दविस मनाया जाता है। इस दविस का प्राथमकि उद्देश्य दुर्घटनाओं और कसिी अन्य आपात परसिथितिको रोकने के लयि आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्थापना दविस पर पहली बार वर्ष 1972 में राष्ट्रीय सुरक्षा दविस मनाया गया था। [राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद](#), राष्ट्रीय स्तर पर एक गैर-लाभकारी, स्व-वर्तितपोषति, त्रपिक्षीय नकियाय है। इसे शर्म एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 4 मार्च, 1965 को सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर एक स्वैच्छिक आंदोलन शुरू करने के लयि स्थापति कयिा गया था। यह एक स्वायत्त नकियाय है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का उद्देश्य समाज की रक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चिति करना तथा लोगों में एक नविरक संस्कृति तथा वैज्ञानिकि मानसकिता को बढ़ावा देना है। गौरतलब है कि प्रतविरष सड़क दुर्घटनाओं के कारण देश में 1.50 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु होती है और इससे भी अधिक संख्या में लोग शारीरिक रूप से अक्षम हो जाते हैं, जसिके कारण पीड़ति परिवारों के साथ-साथ संपूर्ण देश को भारी क्षति का सामना करना पड़ता है।

वशिव श्रवण दविस

वशिव भर में प्रत्येक वर्ष 03 मार्च को वशिव श्रवण दविस का आयोजन कयिा जाता है। इस दविस का प्राथमकि लक्ष्य इस संदेश को प्रसारति करना है कि समय पर प्रभावी देखभाल लोगों को श्रवण बाधति से मुकाबला करने में मदद कर सकती है। [वशिव स्वास्थ्य संगठन \(WHO\)](#) द्वारा आयोजति कयिा जाने वाला यह दविस श्रवण तंत्रिकाओं की सुरक्षा और नविरक उपायों को अपनाने के लयि की जाने वाली कार्रवाई के बारे में जागरूकता फैलाने का अवसर प्रदान करता है। वशिव स्तर पर तकरीबन 1.5 बलियिन लोग पूर्ण अथवा आंशिक रूप से श्रवण बाधति का सामना कर रहे हैं और इसमें से लगभग 430 मलियिन लोगों को जलद-से-जलद पुनरवास सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है। वशिव स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबकि, वर्ष 2050 तक वशिव भर में लगभग 2.5 मलियिन लोग या 4 में से 1 वयक्त पूर्ण अथवा आंशिक रूप से श्रवण बाधति से प्रभावति होगा।

राष्ट्रीय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) पुरस्कार 2022

केंद्रीय शकिषा राज्य मंत्री अननपूर्णा देवी ने देश भर के 49 शकिषकों को राष्ट्रीय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) पुरस्कार प्रदान कयि। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) पुरस्कार शकिषा मंत्रालय (पूर्व में मानव संसाधन वकिस मंत्रालय) द्वारा स्कूल के शकिषकों को प्रदान कयिा जाता है। इस पुरस्कार का उद्देश्य उन स्कूल शकिषकों को सम्मानति करना है, जिन्होंने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्कूली शकिषा की गुणवत्ता में सुधार कयिा है और अपने छात्रों के जीवन को समृद्ध कयिा है। पुरस्कार प्राप्तिकर्ताओं का यह उत्तरदायी है कि वे अन्य शकिषकों को सलाह देकर शकिषा में 'सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी' की पहुँच को व्यापक बनाने में मदद करें और कुशल मानव कार्यबल सुनिश्चिति करने हेतु छात्रों के बीच उद्यमशीलता कौशल वकिसति करें।

मानवरहति सबमर्सबिल 'हायडू-1'

चीन के मानवरहति सबमर्सबिल 'हायडू-1' ने दुनिया के सबसे गहरे समुद्र बटु- 'मारयाना ट्रेंच' पर 10,907 मीटर की गहराई तक गोता लगाकर नया कीर्तमिन स्थापति कयिा है। चीन के इस अभयान के दौरान भूगर्भीय वातावरण की हाई-डेफनिशन तस्वीरें और गहरे समुद्र से नमूने एकत्र कयि गए। इस अभयान के दौरान मानवरहति सबमर्सबिल 'हायडू-1' कुल चार बार मारयाना ट्रेंच में 10,000 मीटर से अधिक नीचे तक गया। ज्ञात हो कि चीन ने पछिले कुछ वर्षों में समुद्र तल पर समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाने के लयि गहरे समुद्र में प्रौद्योगिकी वकिसति करने के अपने प्रयासों को तेज़ कयिा है। वर्ष 2011 में चीन ने 15 वर्षों के लयि हदि महासागर में 10,000 कलिमीटर के पॉलीमेटेलिक सल्फाइड अन्वेषण क्षेत्र हेतु [अंतरराष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण](#) के साथ समझौता कयिा था।